मुख्यमंत्री के रोड शो ने जोधपुर, अजमेर, बीकानेर के कार्यकर्ताओं में जोश भरा

आमजन के स्वागत और रोड शो में उमड़ी भीड़ से भाजपा नेता उत्साहित

जोधपुर/बीकानेर/अजमेर, (कासं), 06 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जोधपुर, बीकानेर तथा अजमेर में रोड शो किए। इस दौरान जगह-जगह लोगों ने मुख्यमंत्री पर पुष्प वर्षा की। पूरे मार्ग में भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन में खासा उत्साह और उमंग देखने को मिली।

मुख्यमंत्री के रविवार शाम को जोधपुर पहुंचने से पहले ही भाजपा कार्यकर्ता और शहरवासी जालोरी गेट पर पहुंचने शुरू हो गए थे। देखते ही देखते हजारों लोग जालोरी गेट पर जुट

- **तीनों स्थानों पर रोड शो के बाद मुख्यमंत्री ने वॉर्ड वार चुनाव की स्थिति और संगठन की तैयारी पर विस्तार से चर्चा की।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जोधपुर में जालोरी गेट से खुली जीप पर सवार होकर रोड शो किया। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, शहर विधायक अतुल भंसाली रथ पर उनके साथ थे।

गए। सभी के हाथ में केसरिया झंडा लहरा रहा था।

मुख्यमंत्री एयरपोर्ट से सीधे जालोरी गेट पहुंचे। यहां पर लोगों ने जयकारा लगाकर उनका अभिवादन किया। कई लोगों ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। खुली जीप पर सवार मुख्यमंत्री के काफिले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, शहर विधायक अतुल भंसाली रथ पर उनके साथ थे। लोगों की भीड़ देखकर मुख्यमंत्री खासे उत्साहित नज़र आ रहे थे।

जालोरी गेट से शुरू हुआ रोड शो खाण्डाफलसा, एक मिनार मस्जिद, डागा बाजार, आडाबाजार, सर्राफा बाजार, कपड़ा बाजार, कटला बाजार से होता हुआ घंटाघर पहुंचा। पूरे मार्ग में लोगों ने अपने घरों की छतों तथा बालकनियों से मुख्यमंत्री पर पुष्प वर्षा की। रोड शो के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने संगठन के पदाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने एक-एक वार्ड का फीडबैक लिया तथा वरिष्ठ नेताओं की जवाबदेही भी तय की।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का बीकानेर नगर निगम चुनाव के लिए रोड शो रविवार दोपहर बाद शुरू हुआ। करीब पंद्रह वाहनों के काफिले के साथ मुख्यमंत्री करीब चार बजे पुष्करणा स्टेडियम पहुंचे, जहां से सीधे वो कार में सवार हुए। मुख्यमंत्री यहां से नत्थूसर गेट पहुंचे, जहां से वो बारह गुवाड़ होते हुए रत्ताणी व्यासों के चौक, हर्षों के चौक, मोहता चौक, तेलीवाड़ा, दाऊजी मंदिर, जोशीवाड़ा, कोटगेट, केईएम रोड होते हुए जूनागढ़ तक गए। जूनागढ़ में भाजपा के सीनियर नेताओं के साथ मुख्यमंत्री ने चुनाव को लेकर खास चर्चा की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में अजमेर शहर में विशाल रोड शो निकालकर पार्टी के पक्ष में चुनावी माहौल बनाने का प्रयास किया। प्लाजा सिनेमा से शुरू हुए रोड शो के दौरान हाथ हिलाकर मुख्यमंत्री ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील की।

रोड शो में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, स्थानीय नेता नीरज जैन सहित भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

रोड शो के समापन के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा के जिला पदाधिकारियों, चुनाव प्रभारियों और प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में नगर निकाय चुनाव को लेकर वॉर्डवार चुनावी स्थिति और संगठन की तैयारियों की समीक्षा की गई।

सरकार महाराष्ट्र के छात्रों की बात सुने- राहुल गांधी

नई दिल्ली, 06 सितंबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में हजारों छात्र सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि पूरे तंत्र से उनका भरोसा टूट चुका है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी

- **उन्होंने कहा, प्रदर्शन कर रहे छात्रों का पूरे तंत्र से भरोसा टूट गया है।**

(भाजपा) सरकार को महाराष्ट्र के छात्रों की आवाज सुननी चाहिए, वरना 'छात्रों की गूंज' और तेज होगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने कहा कि चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, हर छात्र भाजपा शासन से परेशान है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि महाराष्ट्र में हजारों छात्र शांतिपूर्ण तरीके से सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसकी वजह सिर्फ कोई एक परीक्षा या भर्ती नहीं है, बल्कि पूरे तंत्र से टूटा हुआ भरोसा है। चाहे केंद्र हो या राज्य, भाजपा सरकार में हर छात्र परेशान है। प्रश्नपत्र लीक, रुकी हुई भर्तियां, शिक्षा की बढ़ ती और असहनीय लागत, छात्रावासों में अमानवीय हालात, जहर जैसा खाना और डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) में धोखाधड़ी।

उन्होंने कहा कि अब एमपीएससी जैसी संवैधानिक संस्था पर भी नियंत्रण कर उसकी विश्वसनीयता को खत्म कर दिया गया है। गांधी ने जोर देकर कहा कि छात्रों के बेहतर भविष्य से जुड़ी उनकी हर मांग जायज है। सरकार को उनकी आवाज सुननी चाहिए और तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। वरना यह 'छात्रों की गूंज' तब तक और तेज होती जाएगी, जब तक न्याय नहीं मिल जाता।

'निजीकरण की नीति से इसरो केवल शोध इकाई बन कर न रह जाए'

इसरो के नौ कर्मचारी संघों ने निजीकरण की प्रस्तावित नीति पर अधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा

नई दिल्ली, 06 सितंबर। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नौ कर्मचारी संघों ने इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिखकर अंतरिक्ष एजेंसी के विनिर्माण और परिचालन कार्यों को निजी संस्थाओं को सौंपने की प्रस्तावित नीति पर आधिकारिक स्पष्टीकरण की मांग की है। यह लेटर 4 सितंबर को लिखा गया। जानकारी आज सामने आई है।

- **इंडियन नैशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइज़ेशन सैंटर के अध्यक्ष ने पिछले दिनों बयान दिया था कि इसरो भविष्य में कोई लॉन्च वाहन नहीं बनाएगा। यह काम पूरी तरह से निजी क्षेत्र या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किया जाएगा।**

पत्र में कर्मचारियों ने चिंता व्यक्त की है कि यदि केवल वाणिज्यिक गतिविधियों तक निजी भागीदारी सीमित रहती है, तो यह स्वीकार्य है। हालांकि, ऐसी नीति जो इसरो को केवल एक शोध और विकास इकाई तक सीमित कर दे और देश के लांच वाहनों एवं बुनियादी ढ ांचे का नियंत्रण निजी हाथों में सौंप दे, वह बिना किसी खुली चर्चा के स्वीकार नहीं की जा सकती।

यह चिंता इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन ऐंड ऑथराइज़ेशन सेंटर के अध्यक्ष पवन गोयनका द्वारा 21 अगस्त को दिए गए उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में इसरो कोई लांच वाहन नहीं बनाएगा और यह काम पूरी तरह से निजी क्षेत्र या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किया जाएगा। कर्मचारी संघों का कहना है कि इस तरह के बड़े नीतिगत बदलावों की कोई आधिकारिक जानकारी अंतरिक्ष विभाग द्वारा साझा नहीं की गई है। कर्मचारियों को इसकी जानकारी केवल मीडिया रिपोर्टों के जरिये मिल रही है, जो कि चिंताजनक है। पत्र में यह भी सवाल उठाया गया है कि पीएसएलवी, एलवीएम3 और एसएसएलवी जैसे लांच वाहनों का डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण भविष्य में इसरो के पास रहेगा या इसे पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा।

इसरो द्वारा विकसित तकनीक एक राष्ट्रीय संपत्ति है। इसका हस्तांतरण पारदर्शी, जवाबदेह और रणनीतिक, सुरक्षा व रोजगार के पहलुओं के अनुरूप होना चाहिए।'' संघों ने मांग की है कि प्रस्तावित बदलावों से सेवारत कर्मचारियों, रिक्तियों, भविष्य की भर्ती प्रक्रिया और वैज्ञानिक तथा तकनीकी जनशक्ति पर पड़ने वाले प्रभावों का पूरा ब्योरा स्पष्ट किया जाए। कर्मचारियों का मानना है कि अंतरिक्ष क्षेत्र जैसी संवेदनशील तकनीक में निजीकरण की दिशा तय करने से पहले पारदर्शी संवाद बेहद आवश्यक है ताकि देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम की मजबूती और कर्मचारियों के हितों दोनों की रक्षा की जा सके।

चेन्नई में टी.वी.के. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **कन्नन घर के अपने दफ्तर जा रहे थे, जब 6 लोगों ने धारदार हथियारों से उनकी हत्या की।**

लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पांच संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। कन्नन का भी आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस की टीम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

दरअसल, चेन्नई के बेसंत नगर इलाके में शनिवार रात को एक गैंग ने कन्नन नाम के एक व्यक्ति की बर्बरता से हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक कन्नन हाल ही में टीवीके पार्टी में शामिल हुए थे। कल रात वन्ननदुरई इलाके में उनकी हत्या कर दी गई।

जानकारी के मुताबिक गैंग में शामिल 6 लोगों ने कन्नन पर उस वक्त हमला किया, जब वे अपने घर से निकलकर रामास्वामी एवेन्यू में मौजूद अपने दफ्तर की ओर जा रहे थे। इस गैंग ने धारदार हथियारों से कन्नन पर कई वार किए, जिसके चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ये वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

सूचना मिलने पर शास्त्री नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कन्नन का शव कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है। हत्यारों को पकड़ने के लिए पांच विशेष टीमें बनाई गई हैं।

मध्य प्रदेश में जहरीली शराब से 11 ग्रामीणों की मौत

अभी 24 की हालत गंभीर, 12 संदिग्ध गिरफ्तार, आबकारी विभाग के 3 अधिकारी निलंबित

भोपाल, 06 सितंबर। मध्य प्रदेश के सागर जिले की बंडा तहसील के आसपास के गांवों में जहरीली शराब पीने से 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 24 का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामले में आबकारी और पुलिस विभाग के पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जबकि एक अधिकारी को मुख्यालय अटैच कर दिया है।

पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। घटना के बाद आक्रोषित ग्रामीणों ने सागर-छतरपुर मुख्य हाइवे पर चक्काजाम कर दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने तीन अधिकारियों को निलंबित किया गया है, जबकि एक अधिकारी को मुख्यालय अटैच किया गया है। पुलिस विभाग ने भी इस प्रकरण में बंडा थाना प्रभारी सतीश कुशवाहा और गुगरा चौकी प्रभारी एसआई पूरन लाल लड़िया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

- **जिला कलैक्टर के अनुसार, अभी तक हुए दो-तीन पोस्टमार्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल एल्कोहॉल के सेवन की बात सामने आई है।**

शराब के मामले में दु:खद घटना सागर जिले के बंडा तहसील के ग्राम गोगरा खुर्द, नौरोज, और पाटन में हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार सुबह ही स्पष्ट रूप से कह दिया था कि इस घटना के लिए दोषी किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि अब तक हुए दो-तीन पोस्टमॉर्टम में प्रथम दृष्टया मिथाइल अल्कोहल के सेवन की बात सामने आई है।

वहीं, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने कहा कि प्राथमिक जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होना सामने आया है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। ललितपुर में भी नेटवर्क खंगाला जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए गए मरीजों के शरीर नीले पड़ गए थे और उन्हें अकड़न महसूस हो रही थी। प्रशासन ने बीएमसी में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग से बेड आरक्षित किए हैं। पोस्टमॉर्टम और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है।

जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई है। घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सागर-छतरपुर मुख्य हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। कांग्रेस का दावा है कि मौतों का आंकड़ा 14 से 15 तक पहुंच चुका है, लेकिन प्रशासन मामले को दबाने और असली आंकड़े छिपाने का प्रयास कर रहा है।

सांगानेर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में 30 से अधिक मामले सामने आए हैं।

थानाधिकारी सुभाष चंद यादव ने बताया कि सुभाष कॉलोनी, शिकारपुरा रोड निवासी नंद किशोर यादव ने 22 मई को मालपुरा गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 20 मई की रात उनके घर के बाहर खड़ी सफेद रंग की स्कॉर्पियो चोरी हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज में मुंह पर रुमाल बांधा एक व्यक्ति स्कॉर्पियो चोरी करता दिखाई दिया। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और बीटीएस डेटा के आधार पर चोरी की गई कार की तलाश शुरू की। इसके बाद स्कॉर्पियो दौसा के भांडारेज में लावारिस हालत में बरामद की गई।

ए.आई. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्णय लेना सीखना जरूरी है। ग्राहकों को समझने के लिए उनके साथ बातचीत करना जरूरी है। और पेशेवर समझ विकसित करने के लिए अनुभव जरूरी है। इसीलिए एआई से होने वाला सबसे बड़ा बदलाव शायद नौकरियों का खत्म होना नहीं है। यह अपनी पहली नौकरी हासिल करने के पारंपरिक तरीके को गायब कर सकता है।

उज्जैन का ऐतिहासिक महाकाल द्वार गिरा, कोई जनहानि नहीं

14वीं सदी के महाकाल द्वार के पास हो रही गहरी खुदाई में लगातार वर्षा का पानी भरने से यह घटना हुई

उज्जैन, 06 सितंबर। मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के लिए चल रही तैयारियों के बीच शनिवार देर रात महाकालेश्वर मंदिर से रामघाट जाने वाले प्राचीन मार्ग पर स्थित ऐतिहासिक महाकाल द्वार अचानक भरभराकर गिर गया। घटना के समय द्वार के आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिसके चलते जनहानि टल गई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद रविवार सुबह स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि शहर में सिंहस्थ की तैयारियों को निर्माण कार्य चल रहे हैं। महाकाल द्वार के समीप निर्माण कार्य के दौरान गहरी खुदाई की जा रही है। पिछले दो-तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मिट्टी में नमी बढ़ ने और जमीन के सेटलमेंट की वजह से द्वार की संरचना प्रभावित होने की आशंका है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

- **श्री महाकालेश्वर मंदिर के उत्तर में करीब 100 मीटर दूर स्थित यह स्थान ''महाकाल द्वार'' के नाम से जाना जाता है। महाकाल मंदिर विस्तार परियोजना के तहत जीर्णोद्धार का कार्य 2012 करोड़ रूपए की लागत से किया जा रहा है।**

कार्यपालन यंत्री कमल सक्सेना ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा रात को हुआ है। आसपास डीप एक्सकवेशन का काम चल रहा था और लगातार बारिश भी हुई है। ऐसे में जमीन के धंसने यानी सेटलमेंट के कारण द्वार के गिरने की आशंका है। उन्होंने बताया कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि या अन्य नुकसान की जानकारी नहीं है।

गौरतलब है कि श्री महाकालेश्वर मंदिर के उत्तर में करीब 100 मीटर दूर स्थित यह स्थान 'महाकाल द्वार' के नाम से जाना जाता है। यह ऐतिहासिक द्वार लगभग 14वीं शताब्दी ईस्वी के आरंभ का माना जाता है, जो कि रामघाट जाने वाले पुराने मार्ग का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका निर्माण बेसाल्ट पत्थर और ईंटों से किया गया है।

उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड की महाकाल मंदिर परिसर विस्तार परियोजना के तहत करीब 2.12 करोड़ रुपये की लागत से इसके जीर्णोद्धार का काम किया जा रहा था। इस द्वार के जीर्णोद्धार में आधुनिक सीमेंट के बजाय पारंपरिक चूना तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा था। चंदेरी और ललितपुर से आए कारीगर चूना, गुड़, मैथी, गूगल,उड़द के पानी, ईंट के चूरे और रेत जैसे पारंपरिक मिश्रण से निर्माण कार्य कर रहे थे। कारीगरों का दावा था कि यह तकनीक ऐतिहासिक संरचनाओं को लंबे समय तक मजबूती प्रदान करती है।

बताया जाता है कि महाकाल द्वार ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है और इसे मध्यकालीन काल से रामघाट और महाकाल मंदिर के बीच संपर्क मार्ग के रूप में उपयोग किया जाता रहा है। द्वार के गिरने के बाद अब निर्माण गुणवत्ता, आसपास चल रही खुदाई और जमीन की स्थिति को लेकर जांच की जा रही है।

महाकाल द्वार परिसर में एक मेहराबदार प्रवेश द्वार, पत्थर की सीढ़ियां, मंदिर से प्राप्त नक्काशीदार पत्थरों के अवशेष और एक पुराना मार्ग मौजूद है। सदियों से इस द्वार का उपयोग स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों द्वारा रामघाट को श्री महाकालेश्वर मंदिर से जोड़ने वाले मार्ग के रूप में किया जाता रहा है। इसकी स्थापत्य विशेषताओं से पता चलता है कि मध्ययुग में दिल्ली के तीसरे सुल्तान द्वारा किए गए विनाश के बाद इस स्थल का अलग-अलग कालखंडों में जीर्णोद्धार हुआ।

मोबाइल टावर लगाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ठग दीपक कुमार (33) निवासी सुनाम जिला संगरूर (पंजाब) को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया पर मोबाइल टावर लगाने के आकर्षक विज्ञापन डालता था। संपर्क करने वाले लोगों से उनकी व्यक्तिगत जानकारी लेकर टावर लगाने की प्रक्रिया शुरू करने का झांसा देता। विश्वास में लेने के लिए ए.आई. तकनीक से उनकी डिटेल एडिट कर उनके नाम से बैंक चेक, एनओसी और अन्य दस्तावेज तैयार कर भेजता था। इसके बाद टावर लगाने के एवज में मोटा किराया मिलने का लालच देकर पीड़ितों से रकम दूसरे लोगों के बैंक खातों में जमा करवाता था।रकम जमा होने के बाद वह खुद एटीएम बूथ पहुंचकर नकाब पहनकर पैसे निकाल लेता था।

जेएनयू के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पकड़ लिया है। अब कई अन्य वरिष्ठ (सीनियर) छात्रों ने भी आगे आकर हिम्मत जुटाई है और प्रोफेसर के खिलाफ ठीक इसी तरह के आरोप लगाते हुए अपनी आधिकारिक शिकायतें समिति को दी हैं। कैंपस में मचे इस भारी बवाल और गंभीर आरोपों के बावजूद, अभी तक किसी भी छात्र की ओर से पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत या एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। छात्र फिलहाल विश्वविद्यालय की आंतरिक जांच प्रणाली की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं। दूसरी ओर, इस बेहद संवेदनशील और बड़े मामले पर जेएनयू प्रशासन ने चुप्पी साधी हुई है।

दलित, पिछड़ों व अल्पसंख्यकों को 25 प्रतिशत आरक्षण दें- सिद्धारमैया

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग महासंघ के सिल्वर जुबली कार्यक्रम में उन्होंने जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करने की मांग की

बेंगलुरु, 06 सितंबर। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जाति जनगणना लागू करने और दलितों, पिछड़े समुदायों और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण को बढ़ ाकर 75 प्रतिशत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आबादी के आधार पर समान अवसर मिले बिना बराबरी वाला समाज नहीं बनाया जा सकता। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग महासंघ के सिल्वर जुबली समारोह में बोलते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट को लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर समुदाय की आबादी के हिसाब से आरक्षण दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब सभी को उनकी जाति और आबादी के हिसाब से आरक्षण मिलेगा, तभी एक बराबरी वाला समाज बन पाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीतिक बराबरी पाने के लिए लोकसभा और विधानसभा में भी जाति और आबादी के आधार पर ऐसा ही आरक्षण ज़रूरी है। सिद्धारमैया ने कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर उनके पिछले कार्यकाल में हुए जाति सर्वे को लागू किया जाना चाहिए।

- **कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राजनीतिक बराबरी पाने के लिए लोकसभा और विधानसभा में भी जाति और आबादी के आधार पर ऐसा ही आरक्षण जरूरी है।**

सिद्धारमैया ने कहा कि अभी कोर्ट के आदेश की वजह से इस रिपोर्ट को लागू करने या सार्वजनिक करने से रोका गया है।

सिद्धारमैया ने कहा कि यह सर्वे ज़रूरी था क्योंकि पिछड़े समुदायों की आबादी के बारे में कोई सही आंकड़े नहीं थे। उन्होंने याद दिलाया कि 2013 में मुख्यमंत्री बनने पर उन्होंने सर्वे का आदेश दिया था, लेकिन उनके कार्यकाल में रिपोर्ट पूरी नहीं हो पाई थी।

सिद्धारमैया ने कहा कि जाति व्यवस्था के ख़िलाफ़ संघर्ष तब तक जारी रहना चाहिए जब तक बराबरी और समान अवसर न मिल जाएं। उन्होंने कहा, ''जब तक समाज में जाति व्यवस्था है, जब तक बराबरी वाला समाज नहीं बनता और जब तक सभी को समान अवसर नहीं मिलते, तब तक संघर्ष जारी रहना चाहिए।''

राहुल गांधी ने बिहार छात्र आंदोलन में घायल युवकों से मुलाकात की

नई दिल्ली, 06 सितंबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई में घायल हुए युवाओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इन छात्रों ने सिर्फ शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही मांगी थी, लेकिन उनके साथ गोलीबारी कर दी गई।राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में वे अपने आवास पर बिहार के तीन घायल छात्रों से बातचीत करते दिख रहे हैं। इन छात्रों के नाम मोहम्मद आरिफ, बुलेट कुमार गौड़ और आकाश कुमार हैं। इनमें से बुलेट कुमार गौड़ के पैर में गोली लगी है और वह बैसाखी के सहारे चल रहा है। दो अन्य छात्रों के कंधे में गोली लगी है। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा, सोचिए, ऐसा क्या गुनाह किया था इन बच्चों ने कि इन्हें गोली मार दी गई? इन्होंने सरकार से सिर्फ तीन चीजें, शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही मांगी थी।एक छात्र के पैर की हड्डी एके-47 की गोली से टूट गई। सेना में जाकर देश की सेवा करने का उसका सपना भी उसी के साथ चला गया। दो और छात्रों के कंधों को गोली चीरती हुई निकल गई। ये अपराधी नहीं थे।

निर्माधाधीन बिल्डिंग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जयपुरिया अस्पताल की मॉर्च्युरी भिजवाया गया। शनिवार दोपहर पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार गौरव सीतापुरा स्थित एक आईटी कंपनी में नौकरी करता था। वह अपनी मां के साथ रहता था। उसके पिता अरुण शर्मा की पहले ही मौत हो चुकी है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गौरव किसी तरह की परेशानी में नहीं था। मौके से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। पुलिस अब गौरव के मोबाइल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) खंगाल रही है। इसके आधार पर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

भू-स्खलन से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभावित नुकसान का विस्तृत जायजा लिया जा रहा है। चुंगथांग पुलिस और थेंग चेकपोस्ट की टीमें मौके पर लगातार निगरानी कर रही हैं। सांकालांग ओपी और फिदांग ओपी में भी फिलहाल नदी का जलस्तर सामान्य बताया गया है, हालांकि पानी मटमैला है। दोनों स्थानों पर पुलिस और संबंधित कर्मियों को जलस्तर में किसी भी असामान्य बदलाव की तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

लंदन जा रही फ्लाइट की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिक समय तक चक्कर लगाया।

जिसके बाद कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। इस घटना के संबंध में एयरलाइन वर्जिन अटलांटिक की ओर से बयान का इंतजार है।

हवाई अड्डे के अधिकारी तकनीकी खराबी के सटीक वजहों को पता करने में लगे हैं।

जेल में स्लो पॉइज़न दिया, जिससे मुझे कैंसर हो गया- संजय राउत

मुंबई, 06 सितंबर। पात्रा चॉल मनी लॉन्डरिंग मामले में आर्थर रोड जेल में 101 दिन बिताने वाले शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद ही उन्हें कैंसर का पता चला। उन्हें शक है कि उनके कैंसर की जड़ें जेल में दिए गए स्लो पॉइज़निंग (धीरे-धीरे जहर देने) में हो सकती हैं। संजय राउत ने बताया कि कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी ने उनकी सेहत के बारे में पूछा और उन्हें टॉक्सीकॉलजी टेस्ट करवाने की सलाह दी थी। संजय राउत का दावा है कि राहुल गांधी ने उनसे यह भी कहा कि हम जैसे लोगों के साथ जेल में कुछ भी हो सकता है और इस शक का समर्थन किया कि उन्हें किसी तरह का जहर दिया गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908